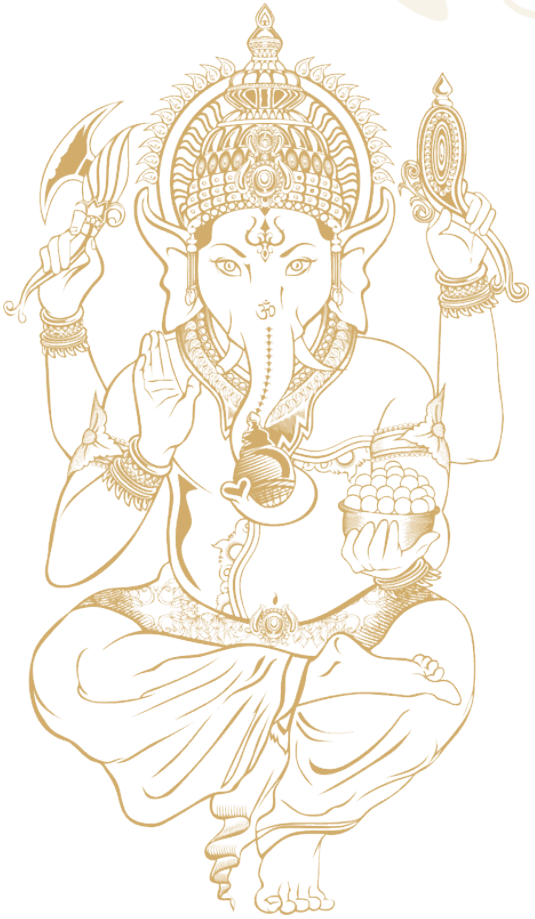

Mr. Narayn shih

24 Mar 1983

09:30 PM

Sitamarhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121125503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/03/1983**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	39:12:59 घटी
स्थान	**Sitamarhi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	85:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:42:00 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	09:48:15 घंटे
सूर्योदय	05:48:48 घंटे
सूर्यास्त	18:00:38 घंटे
दिनमान	12:11:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:49:41 मीन
लग्न के अंश	26:37:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:37:38	310:42:49	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	09:49:41	00:59:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	13:45:51	14:27:49	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			मीन	27:28:06	00:45:09	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	मीन	08:00:45	01:58:44	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	नीच राशि
गुरु			वृश्चि	17:17:18	00:00:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मेष	12:44:23	01:12:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि	व		तुला	09:30:17	00:03:39	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		मिथु	05:44:59	00:04:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	05:44:59	00:04:15	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	15:26:51	00:00:32	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप			धनु	05:35:56	00:00:15	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	05:12:21	00:01:29	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	01:09:04	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:05

लग्न-चलित

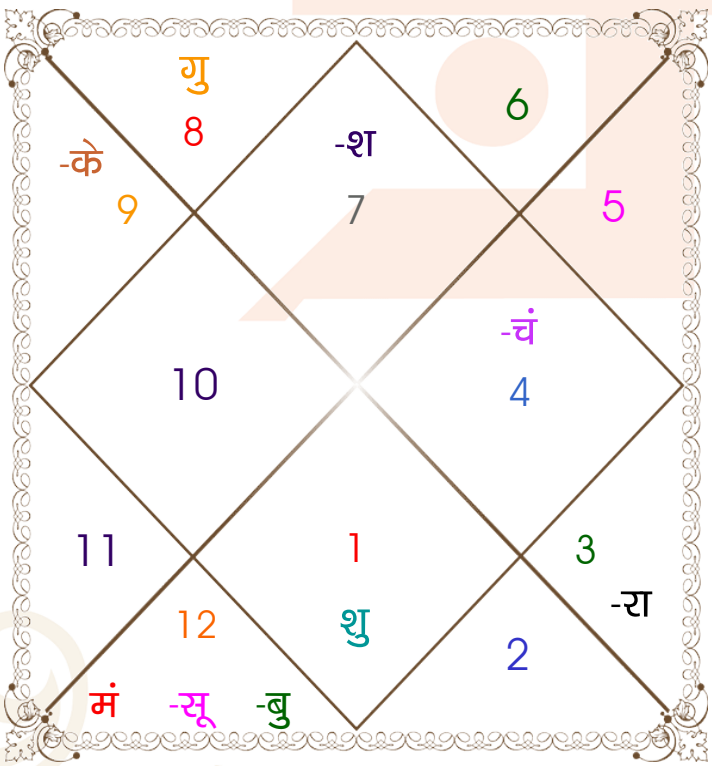

चन्द्र कुंडली

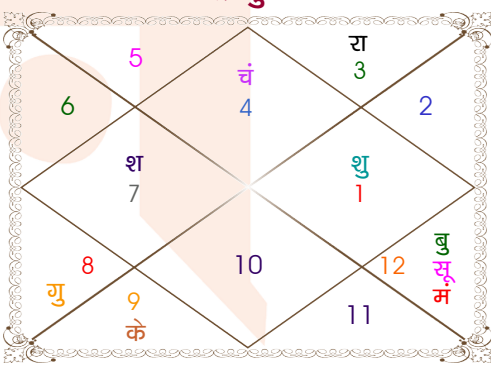

नवमांश कुंडली

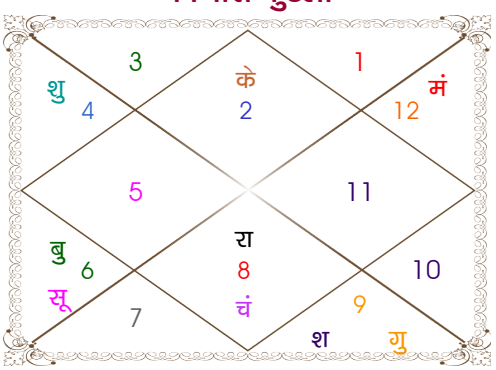

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 1 मास 19 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/03/1983		13/05/1987		12/05/2004		13/05/2011		13/05/2031	
13/05/1987		12/05/2004		13/05/2011		13/05/2031		13/05/2037	
	00/00/0000	बुध	09/10/1989	केतु	08/10/2004	शुक्र	12/09/2014	सूर्य	31/08/2031
	00/00/0000	केतु	06/10/1990	शुक्र	09/12/2005	सूर्य	12/09/2015	चंद्र	29/02/2032
	00/00/0000	शुक्र	06/08/1993	सूर्य	15/04/2006	चंद्र	13/05/2017	मंगल	06/07/2032
	00/00/0000	सूर्य	12/06/1994	चंद्र	15/11/2006	मंगल	13/07/2018	राहु	31/05/2033
	00/00/0000	चंद्र	12/11/1995	मंगल	13/04/2007	राहु	12/07/2021	गुरु	19/03/2034
	00/00/0000	मंगल	08/11/1996	राहु	30/04/2008	गुरु	12/03/2024	शनि	01/03/2035
	24/03/1983	राहु	28/05/1999	गुरु	06/04/2009	शनि	13/05/2027	बुध	06/01/2036
राहु	30/10/1984	गुरु	02/09/2001	शनि	16/05/2010	बुध	13/03/2030	केतु	12/05/2036
गुरु	13/05/1987	शनि	12/05/2004	बुध	13/05/2011	केतु	13/05/2031	शुक्र	13/05/2037

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/05/2037		13/05/2047		13/05/2054		12/05/2072		12/05/2088	
13/05/2047		13/05/2054		12/05/2072		12/05/2088		00/00/0000	
चंद्र	13/03/2038	मंगल	09/10/2047	राहु	23/01/2057	गुरु	01/07/2074	शनि	16/05/2091
मंगल	12/10/2038	राहु	27/10/2048	गुरु	19/06/2059	शनि	11/01/2077	बुध	23/01/2094
राहु	12/04/2040	गुरु	03/10/2049	शनि	25/04/2062	बुध	19/04/2079	केतु	04/03/2095
गुरु	12/08/2041	शनि	11/11/2050	बुध	11/11/2064	केतु	25/03/2080	शुक्र	04/05/2098
शनि	13/03/2043	बुध	09/11/2051	केतु	29/11/2065	शुक्र	24/11/2082	सूर्य	16/04/2099
बुध	12/08/2044	केतु	06/04/2052	शुक्र	29/11/2068	सूर्य	12/09/2083	चंद्र	15/11/2100
केतु	13/03/2045	शुक्र	06/06/2053	सूर्य	24/10/2069	चंद्र	11/01/2085	मंगल	25/12/2101
शुक्र	11/11/2046	सूर्य	12/10/2053	चंद्र	25/04/2071	मंगल	18/12/2085	राहु	25/03/2103
सूर्य	13/05/2047	चंद्र	13/05/2054	मंगल	12/05/2072	राहु	12/05/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 1 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।